टेक स्टार्टअप को आईआईटी बीएचयू देगा 20-20 लाख रुपये का फंड

केवल भारत के उद्यमियों के नवाचारों को मिलेगा मौका

माई सिटी रिपोर्टर

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू में सामाजिक मुद्दों और आम जीवन व्यवहार से जुड़े टेक (तकनीक) स्टार्टअप्स को 20-20 लाख रुपये तक की फंडिंग की जाएगी। सोमवार को संस्थान में आई-डीएपीटी (इंटर डिसीप्लनेरी- डेटा एनालिटिक्स और प्रेडिक्टिव टेक्नोलॉजी) हब फाउंडेशन की ओर से इन्क्यूबेशन कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इससे नवाचार को बाजार और समाज की तमाम समस्याओं का तकनीकी समाधान मिलेगा। इसमें विदेशी स्टार्टअप को आवेदन का मौका नहीं मिलेगा। सिर्फ भारत के ही लोगों को अवसर मिलेगा।

हब के परियोजना निदेशक प्रो. राम शरण सिंह ने बताया कि ये फंडिंग शुरुआती चरण के उद्यमियों के लिए की गई है। यहां पर पंजीकृत स्टार्टअप को बिजनेस यूनिट में बदलने के लिए जरूरी संसाधन मुहैया कराए जाएंगे। 20 लाख की फंडिंग के साथ ही कार्यालय, स्थान, तकनीकी और कानूनी सहायता, बाजार तक पहुंच, मार्गदर्शन भी किया जाएगा। वैज्ञानिक और तकनीकी नवाचारों को प्रोत्साहित कर उन्हें बाजार के अनुरूप तैयार करने के लिए इसकी स्थापना की गई है।

तैयार होगा बेहतर स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र: डीन (अनुसंधान एवं विकास) प्रो. राजेश कुमार ने कहा कि यह कार्यक्रम मेक इन इंडिया, विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत जैसे राष्ट्रीय अभियानों के अनुरूप है। यहां पर एक बेहतर स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करना है, जो तकनीकी एंटरप्रेन्योर को प्रभावशाली और समाधान विकसित करने के लिए सक्षम बनाएगा।

> हम नवाचार और उद्यमशीलता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हब फाउंडेशन के माध्यम से न केवल स्टार्टअप्स को फंडिंग और मार्गदर्शन देना है, बल्कि उन्हें इस दिशा में भी प्रेरित करना है कि वे ऐसे तकनीकी समाधान विकसित करें जो वास्तविक समस्याओं का समाधान करें और राष्ट्र की तकनीकी प्रगति में योगदान दें। **-प्रो. अमित पात्रा, निदेशक, आईआईटी बीएचयू**

ये स्टार्टअप ही होंगे

इस सहायता के लिए वे ही स्टार्टअप पात्र होंगे जो भारत में पंजीकृत हों। ऐसे स्टार्टअप्स जो वाणिज्यिक दृष्टि से प्रैक्टिकल उत्पाद या सेवाओं पर कार्य कर रहे हैं, उन्हें आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है।

आवेदन:https://www.idapthub.org/applications/startup_incubation पर किया जा सकता है।